भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डा. मंगलाराय का भ्रमण

आज दिनांक 17 जनवरी, 2009 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक तथा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सचिव डा. मंगला राय ने केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल का भ्रमण किया। डा. राय के संस्थान आगमन पर संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह, सभी प्रभागाध्यक्षो/परियोजना समन्वयक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, आई.जे.एस.सी. के सदस्य इत्यादि ने गुलदस्ते देकर भव्य स्वागत किया तथा संस्थान की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने संस्थान पर चल रहे विभिन्न शोध प्रयोगों बहुउद्देश्यीय खेती, बायोडीजल प्लांटस जटरोफा, प्रोसोपिस प्रजातियों, विभिन्न लवणसहनशील प्रजातियां, सुगन्धित एवं औषधीय पौधों की खेती (हर्बल गार्डन) प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन पर किये गये शोध, मल–जल का कृषि में उपयोग, मिट्टी में हानिकारक तत्वों को खत्म करने के लिए लगाये गये Microbes, Transgenic ग्रीन हाउस/ग्लास हाउस व फार्म पर लगाई गई भूजल पुनर्भरण प्रणाली (Ground water recharge system) आदि का दौरा किया। निदेशक डा. गुरबचन सिंह व सभी सम्बन्धित वैज्ञानिकों ने अपने–अपने शोध प्रयोगों की जानकारी दी। संस्थान की उपलब्धियां बताते हुये निदेशक डा. गुरबचन सिंह ने बताया कि हरियाणा, पंजाब व उत्तर प्रदेश में इस संस्थान द्वारा अभी तक लगभग 1.5 मिलियन हैक्टर लवणग्रस्त भूमियों को सुधारा जा चुका है जिससे देश को लगभग 10 मिलियन टन अतिरिक्त खाद्यान्न मिल रहा है। बहुउद्देशीय खेती का उद्देश्य बताते हुये डा. गुरबचन सिंह ने कहा कि किसान को गेहूं व धान से 6 महीने बाद आमदनी होती है तथा धान पानी की अधिक खपत वाली फसल है इससे भूजल स्तर नीचे गिर रहा है। बहुउद्देशीय खेती से किसान को रोजाना आमदनी होगी तथा फसल विविधीकरण के अन्तर्गत कम पानी वाली जैसे मक्का, दलहन फसलें इत्यादि लेने से कम पानी इस्तेमाल होगा जो भूजल स्तर के घटने से बचाये रखने में सहायक होगा।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा शुरू की गई बहुउद्देशीय खेती का उद्घाटन तथा Dry Land Biosaline Agriculture Hisar experience नामक बुलेटिन का विमोचन माननीय महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा किया गया। डा. मंगला राय द्वारा संस्थान के प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। महानिदेशक डा. मंगलाराय ने संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य स्टाफ के सम्बोधित किया। इस अवसर पर डा. राय को संस्थान के निदेशक द्वारा स्मृति चिन्ह व शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। स्टाफ को सम्बोधित करते हुए उन्होंने सकारात्मक शोध करने पर बल दिया ताकि किसानों को फायदा हो।

उन्होंने संस्थान की शोध उपलब्धियों विशेषकर बहुउद्देशीय खेती जिसमें मछली पालन, पशुपालन (डेरी), खुम्भ (मशरूम), मुर्गी व बत्तख पालन, फलों, फूलों व सब्जी की खेती, मधुमक्खी पालन आदि शामिल हैं की सराहना की तथा ऐसे प्रदर्शन किसानों के यहां भी लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने अच्छे शोध करने के लिये एवं अन्य कर्मियों द्वारा अपनी–अपनी सम्बन्धी सेवा देने हेतु संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह, वैज्ञानिकों एवं समस्त स्टाफ को बधाई दी।

संस्थान के निदेशक ने महानिदेशक के संस्थान भ्रमण पर हार्दिक धन्यवाद किया